काल

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

काल क्रिया के उस रूपान्तरण को कहते हैं,
जिससे कार्य-व्यापार का समय और उसके
पूर्ण अथवा अपूर्ण अवस्था का बोध होता है |

जैसे-
राम खाता है |
राम जायेगा |
मोहन ने खाया |

काल के भेद क्रिया के मुख्यत :
तीन काल हैं-
(1) वर्तमानकाल
(2) भूतकाल
(3) भविष्यतकाल |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

1. वर्तमानकाल-

'वर्तमानकाल ' में किया से कार्य होने का बोध होता है,
अर्थात् इसमें क्रिया के व्यापार को निरन्तरता का
स्पष्टीकरण होता है |

जैसे-
वह पढ़ता है |
इस वाक्य में पढ़ने की क्रिया होती है |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

वर्तमानकाल के भेद :

(क) सामान्य वर्तमान
(ख) अपूर्ण वर्तमान/तत्कालिन वर्तमान
(ग) पूर्ण वर्तमान
(घ) सम्भाव्य वर्तमान

(क) सामान्य वर्तमान :

सामान्य वर्तमान उसे कहते हैं, जिसमें क्रिया का वर्तमानकाल में होना जाना जाता है |

जैसे-

मोहन जाता है |
राम पढ़ता है |
गीता देखती है |

(ख) अपूर्ण वर्तमान :

इसका दूसरा नाम तत्कालिक वर्तमान भी है |
अपूर्ण बर्तमान में इस बात का बोध होता है कि क्रिया वर्तमानकाल में जारी है |

जैसे-

मैं पत्र लिख रहा हूँ |
सुरेश गाना गा रहा है |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(ग) पूर्ण वर्तमान :

पूर्ण वर्तमानकाल में कार्य की पूर्ण सिद्धि का बोध होता है |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

जैसे-

वह आया है |

गोपाल सोया है |

(घ) सम्भाव्य वर्तमान :

इस काल में कार्य के पूर्ण होने की सम्भावना रहती है |

जैसे-

राम खाया हो |

वह सोया हो |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(2) भूतकाल :

भूतकाल का अर्थ है- बीता हुआ समय, अर्थात् क्रिया के जिस रूपान्तरण से कार्य के समापन का बोध हो, उसे भूतकाल की क्रिया कहते है |

जैसे-

राम खा चुका था |

वह सोया था |

सीता ने गाया |

भूतकाल के भेद-

भूतकाल के छह भेद हैं-

(क) सामान्य भूत

(ख) आसन्न भूत

(ग) पूर्ण भूत
(घ) अपूर्ण भूत
(ङ) संदिग्ध भूत
(च) हेतु हेतु मदभूत

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(क) सामान्य भूत:
इस काल की क्रिया से यह ज्ञात होता है कि कार्य स्वाभाविक रीति से हुआ, अर्थात् क्रिया के विशेष समय का बोध नहीं होता |

जैसे-
राम ने पत्र लिखा |
मोहन गया |

(ख) आसन्न भूत:
इस काल के द्वारा यह ज्ञात होता है कि क्रिया की समाप्ति निकट भूत में तत्काल हुई है |

जैसे-
राम पत्र लिख चुका है |
वह अभी आया था |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(ग) पूर्णभूत:
पूर्णभूत की क्रिया से यह स्पष्ट पता चलता है कि क्रिया की समाप्ति सुदूर भूत में ही हो चुकी है, अर्थात् क्रिया के सम्पादित होने के समय का

स्पष्ट ज्ञान होता है |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

जैसे-

राम ने रावण को मारा था |

आशा ने गीत गाया था |

(घ) अपूर्ण भूत:

इस काल की क्रिया से यह ज्ञात होता है कि भूतकाल में कार्य निरन्तर जारी था |

जैसे-

रमेश पुस्तक पढ़ रहा था |

सुरेश खाना खा रहा था |

(ङ) संदिग्य भूत:

संदिग्ध भूत में इस बात का सन्देह बना रहता है कि कार्य समाप्त हुआ या नहीं |

जैसे-

तुमने लिखा होगा |

उसने चुराया होगा |

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(च) हेतु हेतु मदभूत:

हस काल में यह पता चलता है कि यद्यपि क्रिया का समापन भूतकाल में होना था, लेकिन किसी कारणवश नहीं हो सकता | दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि

इस काल में कार्य के होने की शर्त लगी रहती है,
अर्थात् एक क्रिया की सिद्धि में दूसरी क्रिया शर्त बनकर प्रयुक्त होती है |

जैसे-
यदि तुम पढ़ते, तो परीक्षा पास करते|
यदि वर्षा होती, तो पैदावार अच्छी होती|

STATE STF HINDI TEACHERS GROUP

(3) भविष्यतकाल :
वह क्रिया, जो भविष्य में होती है, उसे भविष्यतकाल की क्रिया कहा जाता है |

जैसे-
वह खायेगा |
वह नौकरी करेगा |
रमेश व्यापार करेगा |

भविष्यतकाल के भेद -
(क) सामान्य भविष्यत
(ख) हेतु हेतु मदभविष्यत
(ग) सम्भाव्य भविष्यत |

(क) सामान्य भविष्यत:
इस काल की क्रिया से यह पता चलता है कि कार्य स्वाभाविक रीति से भविष्य में पूरा होगा |

जैसे-

मै लिखूँगा |

वह गाँव जायेगा |

(ख) हेतु हेतु मदभविष्यत:

इस काल की क्रिया से यह प्रकट होता है कि भविष्य में एक क्रिया का होना, दूसरी क्रिया पर निर्भर करता है|

जैसे-

अध्यापक आयें तो पढ़ायें |

विद्यार्थी पढे, तो परीक्षा उत्तीर्ण करे |

(ग) सम्भाव्य भविष्यत:

इस काल की क्रिया से भविष्यतकाल में कार्य के होने की सम्भावना का बोध होता है |

जैसे-

सम्भव है, वह पत्र लिखे |

संभवत: वह कल आये |